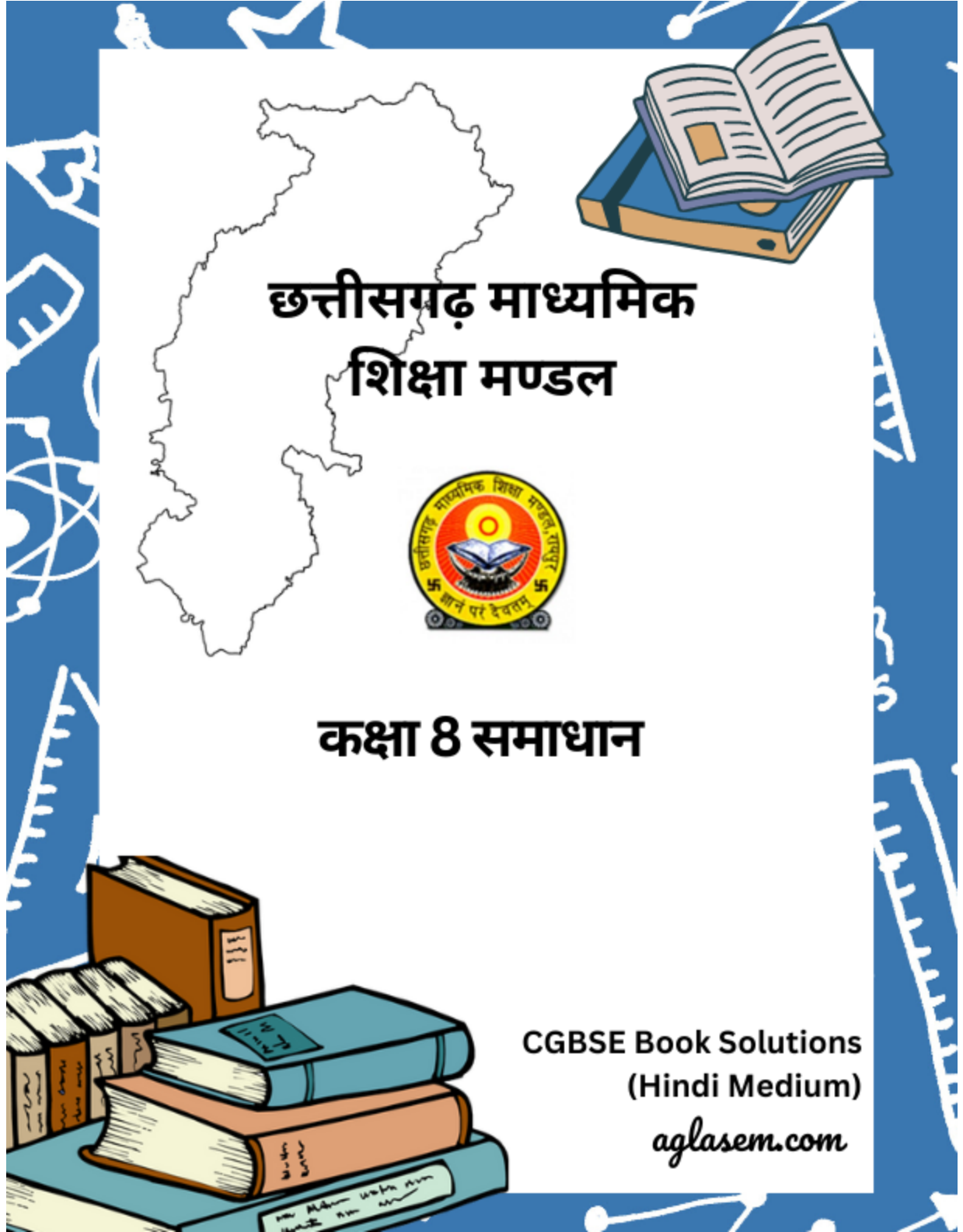


CG Board Class 8 Sahayak Vachan Solutions



CG Board Class 8 Sahayak Vachan Solutions
Chapter 11 (ग्यारहवीं झलक)
संस्मरण -सुमन

Page No.71

अभ्यास:

प्रश्न 1 - गाँधी जी गले में माला क्यों पहने रहते थे ?

उत्तर :- गाँधी जी एक आदर्श पुत्र थे। उन्हें अपने माँ के विश्वास पर अंध विश्वास था। उनकी माँ ने उनसे माला ना उतारने का आग्रह किया था और कहा था कि जब तक यह माला तुम्हारे गले में रहेगा ईश्वर तुम्हारी रक्षा करेगा। गांधी जी स्वयं इस बात पर भले ही विश्वास नहीं करते थे परन्तु उनको अपनी माँ के विश्वास पर पूर्ण विश्वास था। अतः यही कारण था कि वह माला को अपने गले से नहीं उतारते थे।

प्रश्न 2 - बालक ने गाँधी जी से फलों को स्वीकार करने का आग्रह क्यों किया ?

उत्तर :- बालक ने गाँधी जी से फलो को स्वीकार करने का आग्रह इसलिए किया क्योंकि जिस दिन से उसे पता चला था कि आज के दिन गाँधी जी जेल से आजाद होंगे उसने उसी दिन से कुली का कार्य करके अपनी मेहनत की कमाई से उनके लिए भेट स्वरूप फल खरीदा था अतः उन बालक के कोमल मन की अभिलाषा थी कि गाँधी जी उसके द्वारा लाये हुए फलों का सेवन आवश्यक करें।

प्रश्न 3 - गाँधी जी के सामने दोनों भाई बहन को लज्जित क्यों होना पड़ा ?

उत्तर :- दोनों भाई -बहन हिंदी भाषी थे। परन्तु वे फिर भी आपस में बात करने के लिए अंग्रेजी भाषा का उपयोग कर रहे थे। गांधी जी के कानों तक जब उनके द्वारा आपस में किये गए वार्तालाप का कुछ अंश स्पष्ट रूप से पहुंचे तब गांधी जी ने उन दोनों को फटकार लगायी की अंग्रेजी भाषा बुरी नहीं है। परन्तु अपनी मातृभाषा और राष्ट्रभाषा का तिरस्कार करना भी गलत है। हमें स्वयं अपनी भाषा का सम्मान करना चाहिए। इन बातों को सुनकर दोनों भाई -बहन लज्जित हो गए और उनसे क्षमा भी मांगी।

प्रश्न 4 -गांधी जी बच्चों के साथ तैरने को किस शर्त पर तैयार हुआ ?

उत्तर :- गाँधी जी को बच्चों से बड़ा ही स्नेह था। वह उनकी सभी जिद्द को पूरी करते थे। बच्चों ने बापू से जब अपने साथ तैरने की बात कही तो उन्होंने बच्चों के सामने एक बात रखी कि वो आपस में कभी भी एक -दूसरे के साथ लड़ेंगे नहीं और नहीं मारपीट करेंगे।

बच्चों ने उसी पल उनकी शर्त मानली। तब गांधी जी उन बच्चों के साथ साबरमती नदी में खूब स्नान किया और तैराकी भी किया।

प्रश्न 5 - नई शीशी में से शहद डालने पर गाँधी जी ने मीरा बेन से क्या कहा ?

उत्तर:- नई शीशी में से शहद डालने पर गांधी जी ने मीरा बेन से कहा कि तुम्हें मालूम होना चाहिए कि हम जनता के पैसों पर जीते हैं। यदि हम एक दिन शहद न खाये तो मर नहीं जायेंगे। अर्थात् हमें सचेत होकर ही कोई कार्य करना चाहिए और जनता के पैसों को संभालकर खर्च करना चाहिए।

प्रश्न 6 -किन बातों से पता चलता है कि गाँधी जी फिजूलखर्ची के विरुद्ध थे ?

उत्तर :- गांधी जी फिजूलखर्ची के बहुत विरुद्ध थे। वे अपने लेखों को छोटे-छोटे कागजों पर लिखते थे। कागज का कोई हिस्सा बेकार नहीं जाने देते थे। पत्र व्यवहार में लिफाफे के स्थान पर कार्ड का अधिक उपयोग करते थे काड़े में थोड़े शब्द में मतलब की बात लिखने की उन्हें कला आती थी। गांधी जी चंदे से प्राप्त धन के एक एक पैसे का हिसाब रखते थे। वे हमेशा यात्रा तीसरे दर्जे में ही किया करते थे। उनकी पत्नी भी हमेशा खादी ही पहनती थी तथा गहने या जेवरों का उपयोग नहीं करती थी। वह स्वयं को बनिया मानते थे और कहते थे कि मैं एक-एक पैसा बचाना जानता हूँ। अतः उनके इन्हीं बातों से सिद्ध होता है कि वे फिजूल खर्ची के विरुद्ध थे।

प्रश्न 7 - कस्तूरबा और महादेव भाई देसाई पर गाँधी जी किस घटना के कारण नाराज हुए?

उत्तर :- एक बार गाँधी जी उड़ीसा के यात्रा के समय जगन्नाथ पूरी गए। उनके साथ कस्तूरबा और महादेव भाई भी थे। बा ने सोचा कि जगन्नाथ जी के दर्शन कर आना चाहिए। उन्होंने महादेव भाई से अपनी इच्छा जाहिर की। वे भी राजी हो गए। परन्तु जब दोनों दर्शन कर के लौटे तो गांधी जी ने पूछा कि तुम दोनों कहा गए थे। वे हरिजनों को अछूत कहना पसंद नहीं करते थे। जिस मंदिर में हरिजनों का प्रवेश निषेध था वहां वे क्यों चले गए। इस बात को लेकर गांधी जी उनसे नाराज हो गए थे।